MR. CHAIRMAN: No, I will not allow. *(Interruptions)* Question Nos. 242 and 249 will be taken up together. *(Interruptions)*

SHRI N. JOTHI: Sir, ...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: I will not allow. *(Interruptions)* Please, take your seat. Please, take your seat. *(Interruptions)* I will not allow. *(Interruptions)* Please, take your seat.

SHRI N. JOTHI: Sir, ...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... Nothing will go on record. *(Interruptions)*

SHRI N. JOTHI: *

SHRI V. NARAYANASAMY: *

MR. CHAIRMAN: Mr. Jothi, don't disturb. आप दूसरा क्वेश्चन कर लीजिए। ...(व्यवधान)... अब सप्लीमेंटरी नहीं होगा। ...(व्यवधान)... Please, take your seat. *(Interruptions)* Don't disturb. *(Interruptions)* Question Nos. 242 and 249 are being taken up together.

ब्रिटिश जेलों में बंद भारतीयों के साथ भेदभाव

+ *242. **सुश्री सुशीला तिरिया: -**
श्री मोती लाल वोरा:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत को ब्रिटिश जेलों में बंद 253 भारतीयों के इंग्लैंड से निष्कासित किये जाने की जानकारी है;

(ख) क्या इन भारतीयों के विरुद्ध आपराधिक मामलों में संलिप्त होने के आरोप हैं;

(ग) क्या खुली जेल में रहने वाले भारतीयों के साथ इसलिए भेदभाव किया जा रहा है क्योंकि वे ब्रिटिश मूल के नहीं हैं; और

---

*Not recorded.

$तांराकित प्रश्न सं॰ 242 और 249 साथ-साथ लिए गए।

†सभा में यह प्रश्न सुश्री सुशीला तिरिया द्वारा पूछा गया।

(घ) क्या सरकार ने ब्रिटिश जेलों में बंद इन भारतीयों के साथ भेदभाव किये जाने पर आपत्ति दर्ज कराई है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ई॰ अहमद): (क) जी नहीं। तथापि ब्रिटिश जेलों में अभी 239 भारतीय कैद हैं।

(ख) उन्हें लोगों के विरूद्ध हिंसा, यौन अपराध, डकैती और ठगी, धोखेबाजी तथा जालसाजी, ट्रैफिक कानूनों के उल्लंघन और ड्रग से जुड़े अपराधों में शामिल होने के कारण कैद किया गया है।

(ग) खुले जेलों में रखे गये भारतीयों के ब्यौरे यथाशीघ्र प्राप्त करने के लिए यू के की सरकार के साथ संपर्क किया गया है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Discrimination against Indians in British jails

\$†*242. MS. SUSHILA TIRIYA: ††
SHRI MOTILAL VORA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Govoernment are aware of the fact that 253 Indians languishing in the British jails have been deported from England;

(b) whether these Indians have been charged with involvement in criminal cases;

(c) whether Indians put in open jails are being discriminated against as they are not of British origin; and

(d) whether Government have objected to this discrimination against these Indians in jail?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI E. AHAMMED): (a) No, Sir. However, there are presently 239 Indians lodged in British jails.

(b) They have been imprisoned for involvement in crimes like violence against persons, sexual offence, robbery and burglary, fraud and forgery, violation of traffic rules and drug offences.

\$Starred Question Nos. 242 and 249 were taken together.

† Original notice of the question was received in Hindi.

†† The question was actually asked on the floor of the House by Ms. Sushila Tiriya.

(c) The Government of UK has been approached to furnish details of the Indian kept in open jails as early as possible.

(d) Does not arise.

ब्रिटेन की जेलों में बंद भारतीयों की रिहाई के लिए बातचीत

$*249. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल:** क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि ब्रिटेन की जेलों में अनेक भारतीय नागरिक बंद है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने ब्रिटिश सरकार से इस संबंध में बातचीत की है; और

(ग) यदि हां, तो ब्रिटेन की जेलों में वर्तमान में कितने भारतीय नागरिक बंद हैं तथा किस-किस कारण से बंद है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ई॰ अहमद): (क) जी हां।

(ख) कैद/सज़ा सामान्यतया न्यायिक फैसले के आधार पर दी जाती है, इसलिए बातचीत के लिए गुंजाइश नहीं रहती है। तथापि, यू॰के॰ स्थित भारतीय मिशन/केन्द्र जब और जैसे आवश्यकता होती है, ब्रिटिश जेलों में बंद भारतीय कैदियो को कॉसली सहायक प्रदान करते हैं।

(ग) इस समय ब्रिटिश जेलों में 239 भारतीय हैं। यू॰के॰ की सरकार को भारतीय कैदियों के अपराधों का ब्यौरा यथाशीघ्र देने को कहा गया है।

Negotiations for release of Indians in British jails

$†*249. SHRI PYARELAL KHANDELWAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that a number of Indian citizens are languishing in the British jails;

(b) if so, whether Government have negotiated with the British Government in this regard;

(c) if so, the number of Indian imprisoned in the prisons of Britain at present and the reasons for their imprisonment with details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI E. AHAMMED): (a) Yes, Sir.

(b) Imprisonments/sentences are generally meted out on the basis

---

$तांराकित प्रश्न सं॰ 242 और 249 साथ-साथ लिए गए।

$Starred Question Nos. 242 and 249 were taken together.

† Original notice of the question was received in Hindi.